SHRI C. RAMACHANDRAIAH: At least, he was an expert in running a coalition Government.

SHRI N. JOTHI: You are also going to leave them shortly. You shall leave them.

SHRIMATI BRINDA KARAT: Not because somebody is efficient or non-efficient.

SHRI C. RAMACHANDRAIAH: That is why they have inherited a legacy of 8 per cent growth.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI DINESH TRIVEDI): Mr. Ramachandraiah, please conclude.

SHRI C. RAMACHANDRAIAH: Sir, my request to the Government is, it should be applicable not only to MLAs and MPs, but for Ministers as well. Also, kindly ensure that their private interests do not get into conflict with the official duties that they are going to perform. Only then can we build a very good polity in this country.

उपसभाध्यक्ष (श्री दिनेश त्रिवेदी): श्री दिग्विजय सिंह।

MATTER RAISED WITH PERMISSION another Militants' Attack In Doda District of Jammu and Kashmir on 17th May, 2006

डा॰ मुरली मनोहर जोशी (उत्तर प्रदेश): महोदय, मुझे एक महत्वपूर्ण विषय पर एक मिनट बोलने की अनुमति दी जाए। मुझे अभी-अभी सूचना मिली है कि डोडा में फिर से आक्रमण हुआ है। उस स्थान पर ग्रेनेड से हमला हुआ जिस में एक व्यक्ति की मृत्यु हो गयी और कुछ लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

उपसभाध्यक्ष जी, परसों ही इस विषय पर इस सदन ने बहुत चिंता प्रकट की थी और सारे देश का ध्यान आकृष्ट किया था। तब माननीय गृह मंत्री जी ने यह आश्वासन दिया था कि वहां पूरी-की-पूरी सुरक्षा की जाएगी और सभी प्रकार की व्यवस्थाएं की जा रही हैं, इत्यादि-इत्यादि। यह सब उन्होंने विस्तारपूर्वक कहा था, लेकिन आज इस समय पता लगा तो उस व्यवस्था का खोखलापन जाहिर हो गया है। वहां कोई सुरक्षा नहीं है और वहां से लोगों का घर जाना मुश्किल है। वे वहां बैठे हैं और कहते हैं कि हम घर कैसे जाएं? मैं चाहूंगा कि सरकार तत्काल इस विषय पर सदन को वस्तुस्थिति से अवगत कराए और बताए कि वहां क्या स्थिति है, सुरक्षा की क्या व्यवस्था की गयी है और ये लोग कैसे घर जाएंगे? साथ ही बताएं कि इन को रायफल्स क्यों नहीं दी गयी हैं? यहां जो बताया गया था? उस से तो ग्राउंड रिएलिटी नहीं मिल रही है। इसके लिए वहां की प्रदेश सरकार को

ताकीद किया जाए और अगर उस से मामला नहीं संभल रहा है तो डोडा को डिस्टर्ब्ड एरिया घोषित कर के उस का प्रशासन फौज को सौंपा जाए।

उपसभाध्यक्ष (श्री दिनेश त्रिवेदी): श्री दिग्विजय सिंह।

श्री प्यारे लाल खंडेलवाल (मध्य प्रदेश): महोदय, आज सुबह रक्षा मंत्री जी ने यह बात कही थी कि हम ने सुरक्षा का इंतजाम किया है, उस के बाद यह हो रहा है। ...(**व्यवधान**)...

उपसभाध्यक्ष (श्री दिनेश त्रिवेदी): सरकार सक्षम है और मैं समझता हूं कि सरकार नोट लेगी। ...(**व्यवधान**)... श्री दिग्विजय सिंह जी। ...(**व्यवधान**)...

श्री दिग्विजय सिंह: आप हाउस को ऑर्डर में करें, तब तो मैं कुछ बोलूँ। ...(**व्यवधान**)...

उपसभाध्यक्ष (श्री दिनेश त्रिवेदी): मुरली जी, आपने इस गम्भीर बात से सदन को अवगत कराया है। मंत्री महोदय यहाँ बैठे हैं मैं समझता हूँ कि ये इसका नोट लेंगे और सदन के सामने जो लाना है, ये लाएँगे। अब यह कार्रवाई चले। श्री दिग्विजय सिंह जी। ...(**व्यवधान**)... अब इसमें आगे कोई डिस्कशन नहीं ...(**व्यवधान**)...

डा॰ मुरली मनोहर जोशी: इस बारे में हमको कब बताया जाएगा? सदन को कितनी देर में ...(**व्यवधान**)... या आप तो बताएँ कि किस समय यहाँ आकर बताएँगे ...(**व्यवधान**)...

विधि और न्याय मंत्री (श्री हंसराज भारद्वाज): सर, आपने बीच में इनको अलाऊ किया। ...(**व्यवधान**)... रिकॉर्ड पर ...(**व्यवधान**)...

उपसभाध्यक्ष (श्री दिनेश त्रिवेदी): मैंने इनको अलाऊ नहीं किया, वे खड़े हैं। ...(**व्यवधान**)... I have not allowed him. ...(**व्यवधान**)...

श्री हंसराज भारद्वाज: लेकिन ये अलग परम्परा हो रही है कि बीच में खड़े होकर ...(**व्यवधान**)... This is not the way ...(**व्यवधान**)... You have been the minister, please follow the norms. ...(**व्यवधान**)...

डा॰ मुरली मनोहर जोशी:*

THE VICE CHAIRMAN (SHRI DINESH TRIVEDI): Digvijay Ji, Nothing is going on record. You please carry on. ...*(Interruptions)*... Nothing is going on record.

---

*Not recorded.

...(*Interruption*)... क्या आप जरा बैठेंगे? ...(व्यवधान)... प्लीज़, प्लीज़ ...(व्यवधान)... यह ऐसे नहीं हो सकता है। कि ...(व्यवधान)... यह ऐसे नहीं चल सकता है। ...(व्यवधान)... देखिए, ...(व्यवधान)... मुरली जी, आप सीनियर सदस्य हैं। आपने उठकर सदन को यह जानकारी दी। मंत्री जी यहाँ आ गए हैं। वे कुछ कहना चाहते हैं।

कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सुरेश पचौरी): आदरणीय उपसभाध्यक्ष महोदय, डोडा में जो दुर्भाग्यजनक घटनाएँ हो रही हैं उसके सम्बन्ध में कल इस हाऊस में विस्तार से चर्चा हुई है। आज जो घटना हुई हैं, जिसकी जानकारी सम्मानित सदस्य ने दी है, यह निस्संदेह भर्त्सनीय है, निन्दनीय है। मैं इसकी पूरी जानकारी माननीय गृह मंत्री जी को आवश्यक और बगैर किसी विलम्ब के आगे की कार्रवाई के लिए दे दूँगा।

डा॰ मुरली मनोहर जोशी:*

उपसभाध्यक्ष (श्री दिनेश त्रिवेदी): अब यह विषय खत्म हो गया। ...(व्यवधान)... अब यह विषय खत्म हो गया। ...(व्यवधान)...Nothing is going on record. ...(*Interruption*)... दिग्विजय जी, प्लीज़ आप अपनी बात शुरू कीजिए। ...(व्यवधान)... अब हो गया ...(व्यवधान)... अब प्लीज़, ...(व्यवधान)... Nothing is going on record. ...(*Interruption*)... आप बोलिए।

The Parliament (Prevention of Disqualification) Amendment Bill, 2006 — Contd.

श्री दिग्विजय सिंह (झारखंड): उपसभाध्यक्ष जी, आज हंसराज जी का जन्म दिन है। मैं उन्हें बधाई देने के लिए खड़ा होता, लेकिन ...(व्यवधान)...

विधि और न्याय मंत्री (श्री हंसराज भारद्वाज): आप लोग खड़े होकर कह देते हैं, ...(व्यवधान) ... इसलिए मैंने इनसे कह दिया। ...(व्यवधान)...

श्री दिग्विजय सिंह: लेकिन मुझे अफसोस इस बात का है कि जिस बिल को आप लाए हैं, मैं उसके विरोध में खड़ा हुआ हूँ मैं उसके विरोध में इसलिए खड़ा हूँ कि जिस संसद में हम सब लोग यहाँ बैठे हुए हैं, यह संसद का सबसे उच्च सदन है और एक तरह से हिन्दुस्तान के सौ करोड़ से ज्यादा लोगों की आकांक्षाओं का प्रतीक है। ...(व्यवधान)... मैं अब आ रहा हूँ। ...(व्यवधान)... या तो आप लोग ही बोलें ...(व्यवधान)... ...(व्यवधान)... आप ही बोले ...(व्यवधान)... बोलिए न ...(व्यवधान)... उपसभाध्यक्ष जी, मैं इस बिल का विरोध इसलिए कर रहा हूँ कि मुझे लगता है कि जिस सदन में हम सब लोग

*Not recorded.